

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P)
BACHELOR OF PERFORMING ART IN CLASSICAL DANCE KATHAK I YEAR
Regular
2026-27

S.N.	Subject Nature	Mid Term Max.	Mid Term Min.	End Term Max.	End Term Min.	Total Mark %	Minimum Passing Mark %
	Core Subject – Kathak Theory						
	Core 1						
1	1-History & development of Indian dance 2-Essay composition, rhythmic pattern and principles of practical	30 30	10 10	70 70	23 23	100 100	33% 33%
2	Technical Course Practical Core-2 1- Demonstration & Viva 2- Stage Performance	30 30	10 10	70 70	23 23	100 100	33% 33%
3	Elective open subject (Folk dance, makeup techniques, Sound operating	30	10	70	23	100	33%
	Grand Total					500	

[Signature]
22-4-2026

[Signature]

[Signature]
22/04/26

[Signature]
22/4/26

[Signature]
22/4/2026

[Signature] 22/04/26

[Signature]
22/04/26

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P)

Scheme

BACHELOR OF PERFORMING IN CLASSICAL DANCE KATHAK II YEAR Regular
2026-27

S.N.	Subject Nature	Mid Term Max.	Mid Term Min.	End Term Max.	End Term Min.	Total Mark %	Minimum Passing Mark %
	Core -1 Subject -- Kathak						
1	1-History & development of Indian dance 2-Essay composition, rhythmic pattern and principles of practical	30 30	10 10	70 70	23 23	100 100	33% 33%
2	Technical Course Practical Core-2 3- Demonstration & Viva 4- Stage Performance	30 30	10 10	70 70	23 23	100 100	33% 33%
3	Elective open subject (Tabla,Pakhavaj,Light technique)	30	10	70	23	100	33%
	Grand Total					500	

[Signature]
22-4-2026

[Signature]
22-4-2026

[Signature]
22-04/26

[Signature]
22/4/26

[Signature]
22/4/2026

[Signature]
22/04/26

[Signature]
22/04/26

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P)

Scheme 2028-29

BACHELOR OF PERFORMING IN CLASSICAL DANCE KATHAK

III YEAR Regular

2026-27

S.N.	Subject Nature	Mid Term Max.	Mid Term Min.	End Term Max.	End Term Min.	Total Mark %	Minimum Passing Mark %
	Core -1 Subject -- Kathak						
1	1-History & development of Indian dance 2-Essay composition, rhythmic pattern and principles of practical .	30 30	10 10	70 70	23 23	100 100	33% 33%
2	Technical Course Practical Core-2 1- Demonstration & Viva 2- Stage Performance	30 30	10 10	70 70	23 23	100 100	33% 33%
3	Elective open subject (Tabla,Pakhavaj,Light technique)	30	10	70	23	100	33%
	Grand Total					500	

22-4-2026

Shankar

22/04/26

22/4/26

22/4/2026

22/04/26

22/04/26

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P)

Scheme 2029-30

BACHELOR OF PERFORMING IN CLASSICAL DANCE KATHAK FINAL YEAR

Regular

2026-27

S.N.	Subject Nature	Mid Term max.	Mid Term min.	End Term max.	End Term min.	Total Mark %	Minimum Passing Mark %
	Core -1 Subject – Kathak						
1	1-History & development of Indian dance	30	10	70	23	100	33%
	2-Essay composition, rhythmic pattern and principles of practical	30	10	70	23	100	33%
2	Technical Course Practical Core-2	30	10	70	23	100	33%
	1- Demonstration & Viva	30	10	70	23	100	33%
	2- Stage Performance						
3	Elective open subject (Tabla,Pakhavaj,Light technique)	30	10	70	23	100	33%
	Grand Total					500	

[Signature]
22-4-26

[Signature]
22-4-26

[Signature]
22-4-26

[Signature]
22/4/26

[Signature]
22/4/2026

[Signature]
22/04/26

[Signature]
22/04/26

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम (नियमित)

Class : BPA 1st Year
 Subject : Kathak
 Paper : 1st
 Title of paper : भारतीय नृत्य का इतिहास, विकास एवं प्रयोगात्मक सिद्धांत (History and development of Indian dance)
 Compulsory/Optical : Compulsory
 Max. Marks : 70
 Mid Term : 30

Particulars/विवरण

Unit- 1 st	पारिभाषिक शब्दों का अध्ययन— - ततकार, हस्तक, ठाठ, ताल, ठेका, मात्रा, सम, ताली, खाली, विभाग। - कथक नृत्य शैली का परिचय।	
Unit- II nd	तीन ताल में निम्नानुसार नृत्य :- - पद संचालन, हस्तक संचालन, ठाठ, एक उठान, एक आमद, तीन सादा तोड़े, एक परन, एक तिहाई। - चक्करदार परन अथवा तोड़े, एक कवित्त एवं तत्कार की ठाह, दुगुन, चौगुन।	
Unit- III rd	- ताण्डव एवं लास्य नृत्य का सविस्तार वर्णन। - नटन भेदों की जानकारी।	
Unit- IV th	- गत विकास, गत भाव को परिभाषित कीजिए। - भारतीय नृत्यकला के इतिहास पर प्रकाश डालिए।	
Unit- V th	- नृत्य का इतिहास— प्राचीन काल से मध्य काल तक। - जीवनी एवं कथक नृत्य में योगदान: पं. बिन्दादीन महाराज, पं. कालका प्रसाद, पं. अच्छन महाराज, पं. लच्छू महाराज, पं. शम्भू महाराज एवं पं. बिरजू महाराज।	

22-4-2026

22/04/26

22/04/26

22/4/26

22/4/2026

22/04/26

22/04/26

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम(नियमित)

Class	:	BPA 1 st Year
Subject	:	Kathak
Paper	:	2 nd
Title of paper	:	निबंध संरचना, लयकारी एवं प्रयोगात्मक सिद्धांत (Essay composition rhythmic pattern and principal of practical)
Compulsory/Optical	:	Compulsory
Max. Marks	:	70
Mid Term	:	30

Particulars/विवरण

Unit- 1 st	1. गणेश वंदना अथवा गुरु वंदना पर भाव प्रदर्शन। 2. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार (1-16) असंयुक्त हस्तमुद्राओं का मूल-श्लोक सहित अध्ययन।
Unit- II nd	1. अभिनय दर्पण में वर्णित असंयुक्त हस्तों का श्लोक सहित अध्ययन एवं क्रमानुसार (1 से 16) तक हस्तमुद्राओं का चित्रांकन व विनियोग सहित वर्णन 2. लोकनृत्य को परिभाषित कीजिए एवं किसी भी एक प्रदेश के लोकनृत्य का वर्णन कीजिए।
Unit- III rd	1. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार ग्रीवा भेद का अध्ययन। 2. अभिनय किसे कहते हैं।
Unit- IV th	1. प्रायोगिक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत तीनताल, दादरा, कहरवा सीखे गये तालों के ठेकों को एकगुन, दुगुन एवं चौगुन में लिपिबद्ध करना। 2. समस्त सीखे गये बोलों को लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
Unit- V th	1. ताल त्रिताल, ताल कहरवा, ताल दादरा तालों की ठाह, दुगुन, चौगुन सहित पढ़न्त करने की क्षमता तथा प्रायोगिक में सीखे गये सभी बोलों की पढ़न्त करने की क्षमता। 2. त्रिताल में एक आमद लिपिबद्ध कीजिए।

नोट:- प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम के ताल - तीनताल, दादरा, कहरवा।

संदर्भित पुस्तकें:-

1. भारतीय संस्कृति में कथक परंपरा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
3. रायगढ़ में कथक (श्री कार्तिकराम जी)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरु दाधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्योहार)
6. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
7. अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)
8. नटवरी नृत्यमाला (गुरु विक्रम)
9. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)
10. कथक नर्तन (डॉ. विधि नागर)
11. कथक मध्यमा (डॉ. भगवानदास माणिक)
12. कथक नृत्य शिक्षा भाग-1 (डॉ. पुरु दाधीच)
13. कथक नृत्य का मंदिरों से संबंध "जयपुर घराने के विशेष संदर्भ में" (डॉ. अंजना झा)

22-4-2026

Shankar

22-04/26

22/4/26

22/4/2026

22/04/26

22/04/26

प्रायोगिक- प्रदर्शन एवं मौखिक

Unit- 1 st	तीन ताल में निम्नानुसार नृत्य :- पद संचालन, हस्तक संचालन, ठाठ, एक उठान, एक आमद, तीन सादा तोड़े, एक परन, एक तिहाई, एक चक्करदार परन अथवा तोड़े, एक कवित्त एवं तत्कार की ठाह, दुगुन, चौगुन।
Unit- II nd	3. गत निकास- मुकुट, मुरली व मटकी। 4. गतभाव- पनघट (पनिहारिन)
Unit- III rd	1. गणेश वंदना अथवा गुरु वंदना पर भाव प्रदर्शन। 2. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार (1-16) हस्तमुद्राओं का मूल-श्लोक सहित प्रायोगिक प्रदर्शन।
Unit- IV th	1. किसी भी एक प्रदेश के एक लोक नृत्य पर प्रदर्शन। 2. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार ग्रीवा भेद एवं शिरोभेद का प्रायोगिक प्रदर्शन।
Unit- V th	ताल त्रिताल, कहरवा, दादरा तालों की ठाह, दुगुन, चौगुन सहित पढ़न्त करने की क्षमता तथा प्रायोगिक में सीखे गये सभी बोलों की पढ़न्त करने की क्षमता।

[Signature]
22-4-2026

[Signature]
22/04/26

[Signature]
22/4/26

[Signature]
22/4/2026

[Signature]
22/04/26

[Signature]
22/04/26

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम(नियमित)

Class : BPA IInd Year
Subject : Kathak Dance
Paper : Ist
Title of paper : भारतीय नृत्य का इतिहास, विकास एवं प्रयोगात्मक सिद्धांत
(History and development of Indian dance)
Compulsory/Optical : Compulsory
Max. Marks : 70
Mid Term : 30

Particulars/विवरण

Unit- 1 st	1. मध्यकाल से आधुनिक काल तक भारतीय नृत्य कला का इतिहास। 2. शास्त्रीय नृत्य शैली भरतनाट्यम का परिचय।
Unit- II nd	1. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार असंयुक्त हस्तों का (17 से 28) तक श्लोक एवं विनियोग सहित ज्ञान। 2. अभिनय दर्पण के विषय वस्तु का परिचयात्मक ज्ञान।
Unit- III rd	1. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार में वर्णित दृष्टि भेदों का श्लोक सहित अध्ययन। 2. अभिनय दर्पण के अनुसार पात्र लक्षण (गुण एवं दोष)
Unit- IV th	1. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान:- आमद, सलामी, तोड़ा, टुकड़ा, परन, कवित्त, चक्करदार परन। 2. शास्त्रीय कुचीपुड़ी नृत्य का परिचय दीजिए।
Unit- V th	1. जीवनी एवं कथक नृत्य में योगदान:- पं. कार्तिक राम, पं. कल्याण दास, पं. फिरतु दास, पं. रामलाल, पं. बर्मनलाल। 2. कथक नृत्य के प्रस्तुतिक्रम का विवरण।

नोट :- प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम के ताल-तीन ताल, कहरवा, दादरा की पुर्नरावृत्ति।

द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम के ताल -एक ताल, चौताल

22-4-2026

Shankar

22/04/26

22/4/26

22/4/2026

22/04/26

22/04/26

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम(नियमित)

Class :	BPA II nd Year
Subject :	Kathak Dance
Paper :	2 nd
Title of paper :	निबंध संरचना, लयकारी एवं प्रयोगात्मक सिद्धांत (Essay composition rhythmic pattern and principal of practical)
Compulsory/Optical :	Compulsory
Max. Marks :	70
Mid Term :	30

Particulars/विवरण

Unit- 1 st	1. कथक नृत्य के जयपुर व लखनऊ की शैलीगत विशेषताएँ एवं सम्बंधित नृत्यकारों के बारे में जानकारी। जीवनीयाँ एवं कथक नृत्य में योगदान— पं. सुखदेव महाराज, पं. जानकी प्रसाद। 2. मणिपुरी शास्त्रीय नृत्य शैली का परिचयात्मक ज्ञान।
Unit- II nd	3. अभिनय दर्पणानुसार संयुक्त हस्तमुद्राओं का श्लोक सहित अध्ययन क्रमानुसार (1 से 16) तक हस्तमुद्राओं का चित्रांकन व विनियोग सहित वर्णन 4. अभिनय की परिभाषा एवं प्रकारों का संक्षिप्त अध्ययन।
Unit- III rd	1. कथक नृत्य में ताल की महत्ता। 2. अभिनय के प्रकार को समझाइए एवं कथक नृत्य में उनका प्रयोग।
Unit- IV th	3. त्रिताल, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लिपिबद्ध करना। 4. त्रिताल में समस्त सीखे गये बोलों का लिपिबद्ध करना।
Unit- V th	1. एकताल व चौताल की ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन लिपिबद्ध करने की क्षमता। 2. प्रायोगिक में सीखे गये समस्त बोलों को लिपिबद्ध करने की क्षमता।

नोट :- प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम के ताल—तीन ताल, कहरवा, दादरा की पुर्नरावृत्ति।

द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम के ताल — एक ताल, चौताल

संदर्भित पुस्तकें:-

1. भारतीय संस्कृति में कथक परंपरा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
3. रायगढ़ में कथक (श्री कार्तिकराम जी)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरु दाधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्योहार)
6. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
7. अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)
8. नटवरी नृत्यमाला (गुरु विक्रम)
9. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)
10. कथक नर्तन (डॉ. विधि नागर)
11. कथक मध्यमा (डॉ. भगवानदास माणिक)
12. कथक नृत्य शिक्षा भाग-1 (डॉ. पुरु दाधीच)
13. कथक नृत्य का मंदिरों से संबंध "जयपुर घराने के विशेष संदर्भ में" (डॉ. अंजना झा)

22-4-2026

22/04/26

22/04/26

22/04/26

22/04/2026

22/04/26

22/04/26

प्रायोगिक- प्रदर्शन एवं मौखिक

Unit- 1 st	1. शिव वंदना पर भाव प्रदर्शन। 2. चौताल अथवा एक ताल में निम्नानुसार नृत्य:- ठाठ, एक उठान एक आमद, एक तोड़े, एक सादा परन, एक चक्करदार तोड़ एवं एक चक्करदार परन।
Unit- II nd	1. गत निकास- घूँघट एवं बिंदिया 2. गतभाव-होली
Unit- III rd	1. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार दृष्टि भेदों का श्लोक सहित प्रायोगिक प्रदर्शन।
Unit- IV th	3. किसी भी प्रदेश के एक लोक नृत्य पर प्रदर्शन। 4. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार गति भेद का प्रायोगिक प्रदर्शन।
Unit- V th	एक ताल अथवा चौताल में निम्नानुसार नृत्य:- पद संचालन तत्कार की एकगुन, दुगुन, तिगुन, चौगुन एवं प्रायोगिक में सीखे गये सभी बोल पदन्त करने की क्षमता।

22-4-2026

Shankar

22/04/26

22/4/26

22/4/2026

22/04/26

22/04/26

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम(नियमित)

Class : BPA IIIrd Year
Subject : Kathak Dance
Paper : 1st
Title of paper : भारतीय नृत्य का इतिहास, विकास एवं प्रयोगात्मक सिद्धांत
(History and development of Indian dance)

Compulsory/Optical : Compulsory

Max. Marks : 70

Mid Term : 30

Particulars/विवरण

Unit- 1 st	1. कथक नृत्य का इतिहास एवं विकास क्रम 2. ताण्डव एवं लास्य नृत्य का सविस्तार वर्णन।
Unit- II nd	1. कथक नृत्य के जयपुर घराने की शैलीगत विशेषताएं तथा घराने की परम्परा का अध्ययन। जीवनीयाँ एवं कथक नृत्य में योगदान— पं. सुन्दरप्रसाद, पं.— नारायण प्रसाद, पं. कुंदन लाल गंगानी, पं जयलाल जी, पं गौरी भांकर जी, पं सुंदरलाल जी । 2. बैले किसे कहते हैं । बैले की विस्तृत जानकारी दीजिए।
Unit- III rd	1. आचार्य भरतमुनि द्वारा रचित नाट्यशास्त्र के अनुसार भृकुटी भेदों का अध्ययन। 2. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार असंयुक्त हस्तमुद्राओं (16 से 23 तक) श्लोक सहित ज्ञान।
Unit- IV th	1. आचार्य भरतमुनि द्वारा रचित नाट्यशास्त्र के अनुसार भाव एवं रस का अध्ययन। 2. नायक भेदों का विस्तारपूर्वक अध्ययन।
Unit- V th	1. कथक नृत्य में गुरु वंदना एवं भूमि प्रणाम का महत्व। 2. तीन ताल, झपताल एवं सूलताल के ठेकों की ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लिपिबद्ध करना एवं इनमें सीखे गये बोलों को लिपिबद्ध करने की क्षमता।

22-4-2026

22/04/26

22/04/26

22/4/26

22/4/2026

22/04/26

22/04/26

22-4-2026

Shankar

22/04/26

22/4/26

22/4/2026

22/04/26

22/04/26

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम(नियमित)

Class : BPA IIIrd Year

Subject : Kathak Dance

Paper : 2nd

Title of paper : निबंध संरचना, लयकारी एवं प्रयोगात्मक सिद्धांत

(Essay composition rhythmic pattern and principal of practical)

Compulsory/Optical : Compulsory

Max. Marks : 70

Mid Term : 30

Particulars/विवरण

Unit- 1 st	1. मध्यकाल से वर्तमान काल तक कथक नृत्य के विकास का अध्ययन कीजिए। 2. भारतीय एवं पाश्चात्य नृत्य के संबंध पर प्रकाश डालिए।
Unit- II nd	1. कथक नृत्य के घरानों की विशेषताएँ एवं परम्परा का विशिष्ट अध्ययन। 2. जीवनी एवं कथक नृत्य में योगदान:- पं. जयलाल महाराज, पं. नारायण प्रसाद, पं. सुंदर प्रसाद, पं. कुंदनलाल गंगानी, पं. राजेन्द्र गंगानी, पं. तीर्थराम आजाद
Unit- III rd	1. अभिनय दर्पण के अनुसार संयुक्त हस्ता मुद्राओं का विनियोग सहित वर्णन कीजिए। 2. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार चारी तथा भ्रमरी भेदों का अध्ययन।
Unit- IV th	1. आंगिक अभिनय के साधन क्या हैं ? 2. कथक नृत्य में भाव पक्ष का महत्व।
Unit- V th	1. आधुनिक समाज में नृत्य का स्थान। 2. कथक नृत्य में परम्परा एवं प्रयोग।

नोट:- प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम के ताल -झपताल एवं सूलताल

पूर्व पाठ्यक्रम के ताल-तीन ताल, कहरवा, दादरा एक ताल, चौताल की पुर्नरावृत्ति।

संदर्भित पुस्तकें:-

1. भारतीय संस्कृति में कथक परंपरा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीर्थराम आजाद)
3. रायगढ़ में कथक (श्री कार्तिकराम जी)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरु दाधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्योहार)
6. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
7. अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गौरोला)
8. नटवरी नृत्यमाला (गुरु विक्रम)
9. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)
10. कथक नर्तन (डॉ. विधि नागर)
11. कथक मध्यमा (डॉ. भगवानदास माणिक)
12. कथक नृत्य शिक्षा भाग-1 (डॉ. पुरु दाधीच)
13. कथक नृत्य का मंदिरों से संबंध "जयपुर घराने के विशेष संदर्भ में" (डॉ. अंजना झा)

22-4-26

Shankar

22/04/26

22/4/26

22/4/2026

22/04/26

22/04/26

प्रायोगिक- प्रदर्शन एवं मौखिक

Unit- I st	1. तीन ताल में तिगुन व विभिन्न जाति के बोल, बन्दिशें तथा तिहाइयाँ करने का अभ्यास तत्कार के अंतर्गत लड़ी व चलन करने का अभ्यास।
Unit- II nd	1. गत निकास-बिदिया व छूट (ठाठ) 2. गतभाव-माखनलीला।
Unit- III rd	1. सरस्वती वंदना पर भाव प्रदर्शन। 2. नाट्य शास्त्रानुसार भूकुटी भेदों का प्रायोगिक प्रदर्शन।
Unit- IV th	1. झपताल एवं सूलताल में निम्नानुसार नृत्य:- पद संचालन, ठाठ, एकआमद, तीन तोड़े, एक परन, एक चक्करदार परन, एक तोड़ा, एक कवित्त दो तिहाई एवं तत्कार - ठाह दुगुन, तिगुन, चौगुन
Unit- V th	पढन्त करने की क्षमता:- 1. झपताल एवं सूलताल की ठाह, दुगुन तिगुन एवं चौगुन। 2. प्रायोगिक में सीखी गयी सभी बन्दिशों का नृत्य प्रदर्शन

नोट:-तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रम के ताल-झपताल एवं सूलताल

पूर्व में सीखे गए पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति

[Signature]
22-4-2026

[Signature]

[Signature]
22-04/26

[Signature]
22/4/26

[Signature]
22/4/2026

[Signature]
22/04/26

[Signature]
22/04/26

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम(नियमित)

Class : BPA IVth Year

Subject : Kathak Dance

Paper : 1st

Title of paper : भारतीय नृत्य का इतिहास, विकास एवं प्रयोगात्मक सिद्धांत
(History and development of Indian dance)

Compulsory/Optical : Compulsory

Max..Marks : 70

Mid Term : 30

Particulars/विवरण

Unit- 1 st	1. कथक नृत्य में बनारस घराने की विशेषताएँ एवं घराने की परम्परा का अध्ययन। जीवनीयाँ एवं कथक नृत्य में योगदान-पं. सुखदेव महाराज, पं. जानकी प्रसाद, विदुषी सितारा देवी, पं. गोपीकृष्ण, पं. कृष्ण कुमार। 2. शास्त्रीय शैली में कथकली, मोहिनीअट्टम एवं सत्रिय का विस्तृत अध्ययन।
Unit- II nd	1. लोकधर्मी, नाट्यधर्मी एवं पूर्वरंग का अध्ययन। 2. देवदासी प्रथा का इतिहास एवं भारतीय नृत्यों के विकास में उसका योगदान।
Unit- III rd	1. अष्ट नायिका भेदों का विस्तृत ज्ञान। 2. ताल के दसप्राण का विस्तृत अध्ययन।
Unit- IV th	1. सोलह श्रंगार एवं बाहर आभूषणों की जानकारी एवं कथक नृत्य में उनके महत्व का ज्ञान। 2. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित "अभिनय दर्पण" के अनुसार दशावतार हस्तों का श्लोक सहित ज्ञान।
Unit- V th	1. नाट्यशास्त्र के अनुसार 108 करण के नाम एवं प्रारंभिक 1 से 25 तक करणों का विस्तृत अध्ययन। 2. रासलीला की व्याख्या एवं विस्तृत अध्ययन।

22-4-2026

Shankar

22/04/26

22/4/26

22/4/2026

22/04/26

22/04/26

‘राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम(नियमित)

Class : BPA IVth Year

Subject : Kathak Dance

Paper : 2nd

Title of paper : निबंध संरचना, लयकारी एवं प्रयोगात्मक सिद्धांत
(Essay composition rhythmic pattern and principal of practical)

Compulsory/Optical : Compulsory

Max. Marks : 70

Mid Term : 30

Particulars/विवरण

Unit- 1 st	1. कथक नृत्य के विकास में नवाब वाजिद अली शाह के योगदान का अध्ययन। 2. कथक नृत्य के विकास में राजा चक्रधर सिंह का योगदान।
Unit- II nd	1. निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर दिये गये कथानकों पर नृत्य नाटिका की संरचना करने की क्षमता— कालिया दमन, शूर्पणखा, मानभंग कथानक, पात्र चयन, मंच व्यवस्था, वेशभूषा, रूपसज्जा, पार्श्व संगीत, ताल एवं रस। 2. प्रायोगिक पक्ष में सीखी गई बोल बंदिशों को लिपिबद्ध करना।
Unit- III rd	1. पंचमसवारी अथवा गजझम्पा तालों की ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन लिपिबद्ध करने की क्षमता। 2. प्रायोगिक में सीखे गये नृत्य के बोलों की लिपिबद्ध करने की क्षमता।
Unit- IV th	1. नाट्यशास्त्र के अनुसार स्थानक भेद। 2. नृत्य के उपकरण— मंच व्यवस्था, संगतकार, वेशभूषा, ध्वनिप्रकाश व्यवस्था।
Unit- V th	1. त्रिताल में एक तिहाई लिपिबद्ध कीजिए। 2. कर्ण किसे कहते हैं। कर्ण के बारे में विस्तृत जानकारी दीजिए।

संदर्भित पुस्तकें:-

1. भारतीय संस्कृति में कथक परंपरा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
3. रायगढ़ में कथक (श्री कार्तिकराम जी)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरु दाधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्योहार)
6. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
7. अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)
8. नटवरी नृत्यमाला (गुरु विक्रम)
9. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)
10. कथक नर्तन (डॉ. विधि नागर)
11. कथक मध्यमा (डॉ. भगवानदास माणिक)
12. कथक नृत्य शिक्षा भाग-1 (डॉ. पुरु दाधीच)
13. कथक नृत्य का मंदिरों से संबंध "जयपुर घराने के विशेष संदर्भ में" (डॉ. अंजना झा)

22-4-2026

Shankar

22/04/26

22/4/26

22/4/2026

22/04/26

22/04/26

Unit- 1 st	1. पूर्व में किये गये तालों की पुनरावृत्ति। 2. तीनताल में तोड़े एवं परन के साथ उच्चस्तरीय नृत्य प्रदर्शन।	
Unit- II nd	1. गतनिकास-रुखसार एवं घुघट के प्रकार 2. गतभाव-कालियादमन	
Unit- III rd	1. राम स्तुति पर भाव प्रदर्शन। 2. गतभाव-गोवर्धन पूजा।	
Unit- IV th	1. कृष्ण वंदना पर भाव प्रदर्शन 2. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित "अभिनय दर्पण" के अनुसार दशावतार हस्तों का प्रायोगिक प्रदर्शन।	
Unit- V th	पढन्त करने की क्षमता:- 1. पंचम सवारी (15 मात्रा) तथा गजझंपा (15 मात्रा) की ठाह, दुगुन, व चौगुन। 2. प्रायोगिक में सीखे गये सभी बंदिशें।	

नोट:-चतुर्थ वर्ष के पाठ्यक्रम के ताल पंचमसवारी और गजझम्पा पूर्वकक्षा में सीखी गई ताल एवं बंदिशों की पुनरावृत्ति।

22-4-2026

Shankar

22/04/26

22/4/26

22/4/2026

22/04/26

22/04/26